विधान परिषद के प्रथम सत्र-2024 के प्रथम सोमवार हेतु निर्धारित श्री आशुतोष सिन्हा, मा0 सदस्य, विधान परिषद द्वारा पूछे गये तारांकित प्रश्न सं0-14 का उत्तर।

प्रश्न	उत्तर
14 (क) क्या ऊर्जा मंत्री बतायेंगे कि जब विश्वनाथ मंदिर क्षेत्र को कॉरिडोर में बदला गया, तब उसकी विद्युत आपूर्ति गोदौलिया पावर हाउस से कॉरिडोर को दी गई है, जो पहले 3 एच0टी0 अंडरग्राउंड केबिल से विद्युत आपूर्ति होती थी ?	विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर को वर्तमान में 2000 केवीए के संयोजन द्वारा विद्युत आपूर्ति निकटस्थ 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र चौक से की जा रही है, जिसकी निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने हेतु वर्तमान में दो स्रोत हैं। पहला 11 के0वी0 स्वतंत्र पोषक श्री काशी विश्वनाथ टेम्पल (प्राइमरी) एवं दूसरा 11 के0वी0 ज्ञानवापी पोषक। इन्हें आर0एम0यू0 के माध्यम से किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में तत्काल जोड़ा जा सकता है। कॉरिडोर निर्माण से पूर्व मंदिर की विद्युत आपूर्ति एल0टी0 सप्लाई द्वारा 33/11 के0वी0 गोदौलिया उपकेन्द्र से 11 के0वी0 भूमिगत पोषक (डबल केबल) के माध्यम से की जाती थी। कॉरीडोर बनने के बाद इसकी उपयोगिता नहीं है। कॉरीडोर बनने एवं स्मार्ट सिटी की विभिन्न निर्माण गतिविधियों एवं क्षतिग्रस्तता के कारण यह लाईन परित्यक्त हो गई है।
(ख) उक्त की निविदा किस योजना में और कब हुई ?	उक्त कार्य जमा योजना में वर्ष 2021 में कराया गया है।
(ग) उक्त की निविदा के सापेक्ष कितनी धनराशि का भुगतान हुआ ?	उक्त निविदा की उस समय प्राक्कलित राशि लगभग रू0 1.80 करोड़ थी। इस धनराशि का भुगतान मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री काशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद चौक, वाराणसी द्वारा किया गया था।
(घ) क्या उक्त निविदा वर्तमान में भी क्रियाशील है ?	जी नहीं।
(ड.) यदि यह वर्तमान में क्रियाशील नहीं है तो कितने केबिल ध्वस्त/पंचर हैं, जिसके द्वारा विश्वनाथ कॉरिडोर/स्मार्ट सिटी को विद्युत आपूर्ति की जाति थी ?	दो नग 11 के0वी0 भूमिगत केबल वर्तमान मे परित्यक्त हैं।

ए. के. शर्मा
ऊर्जा मंत्री।